स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता सन्देश

जैसा कि हम सभी लोग अवगत है कि "स्वच्छता सफलता की कुंजी है" से तात्पर्य है कि यदि हमें जीवन के प्रगति पथ पर अग्रसर देना है तो हमें स्वच्छता अपनानी होगी स्वच्छता के विभिन्न आयामों को सात वर्गो में विभाजित किया गया है यथा 1- व्यक्तिगत स्वच्छता 2- वातावरण की स्वच्छता 3- कूड़े करकट का सही निपटान 4- पेयजल का रखरखाव व बर्ताव 5- बेकार पानी का निकासी व सुरक्षित निपटान 6- घर एवं भोजन की स्वच्छता 7- मानव मल का सुरक्षित निपटान।

कहना अतिशयोक्ति न होगी कि मनुष्य एवं उनके सहयोगी पशु पक्षियों में होने वाली अधिकांश बीमारियां जल जनित अथवा वातावरण जनित है जिनके लिये मनुष्य जिसे जीवों में सर्वोच्च बुद्धिमान माना जाता है, ही मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

गॉधी जी ने 11.02.1919 को सफाई और अच्छी आदतों के सम्बन्ध में कहा था कि "जो लोग पान के पत्ते और तम्बाकू चबाने के बाद थूक देते है उन्हे जरा भी ध्यान नही रहता है कि सड़को पर थूकना हानिकर होता है इससे विभिन्न प्रकार के रोगाणु पनपते है जिनकी वजह से तपेदिक व विभिन्न प्रकार की बीमारियां होती है इसलिये थूक, नाक, बलगम आदि को मिट्टी के अन्दर गड्ढे में दबा देना चाहिए।" इसी प्रकार गांव एवं आवास के पास बने गड्ढे जहां बेकार पानी इकट्ठा होता है वहां मच्छर एवं अन्य जानलेवा विषाणु पैदा होते है में निरन्तर मिट्टी का तेल ब्लीचिंग आदि का छिड़काव करते रहना चाहिए जिससे कि मच्छर और जहरीले कीड़े मकोड़ो से मुक्ति मिल सकें।

यही नही 13.09.1925 को नवजीवन अखबार को दिये साक्षात्कार में गांधी जी ने बताया था कि "मैने 35 साल पहले पश्चिम से यह सीखा था कि शौचालय को भी ड्राइंग रूम की तरह साफ होना चाहिए हमारे रोगों के कई कारण में से मुख्य कारण हमारे यहां शौचालय की हालत हमारे द्वारा साफ-सफाई के नियमों का पालन न करना है" नित्य कर्म के लिए एक सुलभ एवं स्वच्छ जगह की वकालत करते हुए कहा है कि "शौचालय में स्वच्छता होने से उसके उपयोग की आदत निरन्तर मानव पर अपना सही प्रभाव रखती है"

" स्वच्छता एक ऐसी आवश्यकता है जिसके अभाव में हम एक स्वस्थ्य एवं जागरूक समाज की कामना नहीं कर सकतें।" --- गांधी जी।

उपरोक्त से सर्व विदित है कि स्वच्छता का हमारे जीवन में क्या महत्व है ?

अतएव आइए हम सब मिलकर स्वच्छता के विभिन्न आयामों को अपनाये अपने देश से बीमारियों को भगायें तथा आने वाली पीढी एवं समाज को स्वच्छ एवं स्वस्थ्य भारत की ओर अग्रसर करें। साथ ही जनपद में स्वच्छ भारत मिशन "(ग्रामीण) के अन्तर्गत समुदाय आधारित स्वच्छता गतिविधि (सी0एल0टी0एस0) द्वारा ग्राम पंचायतों को खुले में शौच मुक्त बनाने हेतु कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से (ओ0डी0एफ0) "पावन प्रतापगढ़" अभियान चलाकर ग्राम पंचायतों को (ओ0डी0एफ0) खुले मे शौच मुक्त करने विषयक विशेष प्रयास किया जा रहा है। कृपया इस कार्यक्रम की सर्वांगीण सफलता हेतु अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें।

जिलाधिकारी
प्रतापगढ़।